>

Title: Need to convert Indore-Khandwa railway line into broadgauge on priority basis.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर): इंदौर का दक्षिण भारत से सीधा संपर्क पूर्व में खंडवा-अकोला-पूर्णा होते हुए उपलब्ध था । परंतु विगत कई वर्षों से रतलाम-अकोला आमान परिवर्तन के कारण यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं है । इंदौर मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा औद्योगिक, व्यापारिक तथा सांस्कृतिक नगर है तथा दक्षिण की ओर यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है । रतलाम-अकोला आमान परिवर्तन में इंदौर-खंडवा आमान परिवर्तन के कार्य को अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है व इसे सबसे अंतिम प्राथमिकता दी गई है । इस मार्ग के आमान परिवर्तन की अनुमानित लागत करीब 700 करोड़ रूपये है और वर्तमान में जिस तरह आमान परिवर्तन के लिए धनराशि का आवंटन किया जा रहा है उससे ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि आगामी 15 वर्षों में भी यह कार्य पूर्ण हो सकेगा ।

इंदौर से ज्यादा आवश्यकता रेल विभाग को इस मार्ग के आमान परिवर्तन की है इस मार्ग के आमान परिवर्तन से न केवल उत्तर दक्षिण के मध्य सबसे कम दूरी का रास्ता उपलब्ध हो सकेगा वरन् वर्तमान में मुख्य लाइनों पर जो यातायात का अत्यधिक दबाव है उसे भी कम किया जा सकेगा । वस्तुतः इस मार्ग को उच्च प्राथमिकता देते हुए संपूर्ण धनराशि आवंटित कर आगामी 2-3 वर्षों में पूर्ण किया जाना आवश्यक है ।

उपरोक्तानुसार यदि कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में मीटरगेज खंड पर भी यातायात किसी भी क्षण या तो बंद हो जायेगा अथवा किसी बड़ी दुर्घटना का अंदेशा बना रहेगा क्योंकि वर्तमान में न तो मीटरगेज के डिब्बों का न तो इंजनों का निर्माण किया जा रहा है व वर्तमान में इन खंडों पर 25 वर्षों से अधिक पुराने डिब्बों का उपयोग किया जा रहा है । पुराने इंजनों के कारण यात्री गाड़ियाँ अनेक बार रास्ते में खड़ी हो जाती है व यात्रियों को अपने गंतव्य पर पहूंचने के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ता है । महू लोकोशेड जहां इंजनों का रखरखाव होता है वहाँ अतिरिक्त पूर्जों की उपलब्धता नहीं रहती है व डिब्बों के रखरखाव के लिए उन्हें बीकानेर भेजना पड़ता है । कई अवसरों पर स्थितियों ऐसी निर्मित होती है कि डिब्बे रखरखाव योग्य भी नहीं रहते तथा अंततः उन्हें भंगर के रूप में बेचना आवश्यक हो जाता है ।

ऐसी स्थिति में मैं माननीय मंत्री महोदय से आग्रह करूँगी की रेलवे की स्वयं की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए इस अप्रिय स्थिति से बचा जाये तथा अमान परिवर्तन के लिए इंदौर-खंडवा खंड को प्राथमिकता देते हुए पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाये ।

मैं रेल मंत्री का ध्यान इस ओर भी आकर्षित करना चाहती हूं कि नियम 377 के अंतर्गत सदन में उठाये गये विषयों पर मंत्रालय की ओर से एक वर्ष से अधिक समय बाद उत्तर दिये जाते हैं जिससे विषय का महत्व एवं गंभीरता खत्म हो जाती है । ऐसा प्रतीत होता है कि सदस्यों द्वारा उठाये गये मुद्दों पर मंत्रालय गंभीर नहीं है । माननीय मंत्री महोदय भी इस संबंध में उचित कार्रवाई करेंगे ।